आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 01.11.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश में आज लोकपर्व इगास–बग्वाल का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा।
- राज्यपाल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को इगास पर्व– बूढ़ी दीपावली की शुभकामनाएँ दी।
- यूआईडीएआई ने एआई, ब्लॉकचेन और क्वांटम कंप्यूटिंग के जरिए डिजिटल पहचान को मजबूत बनाने के लिए आधार दृष्टिकोण 2032 की रूपरेखा जारी की।
- **और...** सीमावर्ती क्षेत्रों को सशक्त बनाने की दिशा में उत्तरकाशी जिले के झाला गाँव में रात्रि चौपाल का आयोजन।

इगास बग्वाल

प्रदेश में आज लोकपर्व इगास–बग्वाल का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इगास, दीपावली के 11वें दिन एकादशी को मनाया जाता है। पर्वतीय क्षेत्रों में इगास–बग्वाल मनाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। राज्यपाल गुरमीत सिंह, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को इगास पर्व (बूढ़ी दीपावली) की शुभकामनाएँ दी हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यह पर्व हमारी समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं, आस्था और लोकजीवन की आत्मा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इगास–बग्वाल हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और समाज में आनंद, सहयोग तथा एकता का संदेश देता है। राज्यपाल ने सभी से अपनी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण व संवर्द्धन का संकल्प लेने तथा उल्लास और उमंग के साथ इस लोकपर्व को मनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से प्रदेशवासियों से अपनी लोकपरंपराओं और समृद्ध लोकसंस्कृति को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

गौरतलब है कि इगास, वीरभड़ माधो सिंह भंडारी के रण जीत के वापस आने की खुशी में यह पर्व मनाया जाता है। इस अवसर पर घरों में विभिन्न पारंपरिक व्यंजन बनाए जाते हैं और साहस का प्रतीक भैलो खेला जाता है। ढोल–दमाऊ की थाप पर नृत्य करते हुए गाँव में बच्चे, बूढ़े, महिलाएँ और पुरुष भैलो खेलकर खुशियाँ मनाते हैं। इस दौरान भैलो रे भैलो, काखड़ी को रेलो, उज्यालू आलो, अंधेरो भागलो... आदि गीत गाए जाते हैं।

आधार कार्ड

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण–यूआईडीएआई ने ए.आई. ब्लॉकचेन और क्वांटम कंप्यूटिंग के माध्यम से भविष्य में सुरक्षित डिजिटल पहचान को मज़बूत करने के लिए आधार दृष्टिकोण–2032 की रूपरेखा जारी की। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा है कि यह रूपरेखा भारत की डिजिटल पहचान व्यवस्था को दुबारा परिभाषित करने और अगले दशक के लिए अगली पीढ़ी के डिजिटल शासन को गति देने के लिए व्यापक कार्ययोजना प्रदान करेगी।

रात्रि चौपाल

सीमावर्ती क्षेत्रों को बुनियादी सुविधाओं और आजीविका संवर्द्धन के तहत सशक्त बनाने की दिशा में उत्तरकाशी जिले के झाला गाँव में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। जिले के मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह ने ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए कृषि, ग्रामीण निर्माण, राजस्व और अन्य विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने जैम, चटनी और जूस प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए जल्द उपयुक्त भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए। साथ ही, श्री सिंह ने ग्रामीणों को बागवानी, गौ–पालन, बकरी–पालन तथा मौन–पालन जैसे व्यवसायों के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया।

क्षेत्रवासियों को आश्वस्त करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि वाइब्रेंट विलेज योजना के अंतर्गत चिन्हित गाँवों की आर्थिकी तथा बुनियादी सुविधाओं का विकास निश्चित रूप से धरातल पर क्रियान्वित किया जाएगा।

सहकारिता मेला

रुद्रप्रयाग जिले के गुलाबराय मैदान में पाँच दिवसीय सहकारिता मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में विभिन्न कार्यक्रमों का उद्घाटन करते हुए राज्यमंत्री चंडी प्रसाद भट्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में सहकारिता आंदोलन ग्रामीण विकास में एक नया परिवर्तन ला रहा है।

उन्होंने कहा कि सहकारिता मेलों के माध्यम से सीमांत गाँवों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँच रहा है और नई समितियों के गठन से रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

श्री भट्ट ने बताया कि सहकारिता विभाग अब एमपैक्स समितियों को माइक्रो एटीएम मशीनें उपलब्ध करा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएँ आसानी से उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सहकारिता विभाग द्वारा ज़रूरतमंदों को 5 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे बेरोज़गार युवाओं और महिलाओं को स्वरोज़गार के अवसर मिल रहे हैं।

"आत्मनिर्भर उत्तराखंड"

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में "आत्मनिर्भर उत्तराखंड" की परिकल्पना अब धरातल पर साकार होती दिखाई दे रही है। मुख्यमंत्री की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों के प्रभाव से हर व्यक्ति का सपना साकार हो रहा है। सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर पौड़ी गढ़वाल के अगरोड़ा गांव के 75 वर्षीय काश्तकार जगपाल सिंह रावत आज प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन गए हैं। पेश है एक रिपोर्ट–

पिछले चार दशकों से बागवानी के क्षेत्र में कार्यरत जगपाल सिंह रावत ने अपने परिश्रम, लगन और दृढ़ इच्छाशक्ति से यह सिद्ध किया है कि पहाड़ में रहकर भी सफलता और समृद्धि प्राप्त की जा सकती है। वर्तमान में उनके बागान में 35 कीवी और 150 से अधिक मोटी इलायची के पौधे हैं। रावत के अनुसार, एक कीवी फल ₹40 से ₹50 तक तथा इलायची ₹800 प्रति किलोग्राम तक बाजार में बिक रही है। एक कीवी पौधे से लगभग 25 से 30 किलोग्राम और एक इलायची पौधे से 1.5 से 2 किलोग्राम तक उत्पादन हो जाता है। इन फसलों को जंगली जानवर नुकसान नहीं पहुंचाते, जिससे ये पहाड़ी किसानों के लिए अत्यंत लाभदायक हैं।

उन्होंने बताया कि उद्यान विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला, जिसके कारण उनके बागान का विस्तार हुआ। उनके बागान में सेब, केला, अमरूद, आंवला, लेमन ग्रास सहित कई अन्य फलदार एवं औषधीय पौधे भी हैं। इसके अतिरिक्त, वे अपने जलाशय में मछली पालन कर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर रहे हैं।

महानायक वीर शहीद केसरी चंद

आज आजाद हिंद फौज के महानायक वीर शहीद केसरी चंद की 106वीं जयंती है। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून के गांधी पार्क में वीर केसरी चंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

शहीद केसरी चंद को आजादी का महानायक और उत्तराखंड का लाल, बताते हुए श्री जोशी ने कहा कि उनका बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

गौरतलब है कि देहरादून जिले के जौनसार–बावर क्षेत्र के क्यावा गांव में 01 नवम्बर 1920 को वीर केसरी चंद का जन्म हुआ था। उन्हें ब्रिटिश शासन के विरुद्ध युद्ध करने के आरोप में आर्मी एक्ट की धारा 41 के तहत 03 फरवरी 1945 को मृत्यु दंड की सजा सुनाई गई और 3 मई 1945 को मात्र 24 वर्ष 6 माह की आयु में फांसी पर लटका दिया गया।

"स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान"

भारत ने "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान" के अंतर्गत तीन गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाये हैं। 17 सितंबर से दो अक्तूबर तक चले इस अभियान में अभूतपूर्व सामुदायिक भागीदारी रही। इस पहल से कई रिकॉर्ड बने, जिसमें एक महीने में स्वास्थ्य सेवा प्लेटफ़ॉर्म पर पंजीकरण कराने वाले 3 करोड़ 21 लाख से अधिक लोग शामिल हैं। अभियान में एक हफ़्ते 9 लाख 94 हज़ार से ज़्यादा महिलाओं ने स्तन कैंसर की ऑनलाइन जाँच के लिए पंजीकरण कराया जो कि एक रिकॉर्ड है।

इसके अलावा, राज्य स्तर पर एक सप्ताह में रिकॉर्ड 1 लाख 25 हजार लोगों ने विभिन्न रोगों के लक्षणों की जांच के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि इस अभियान में 20 से ज़्यादा मंत्रालयों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें केंद्र सरकार के संस्थान, मेडिकल कॉलेज और निजी संगठन शामिल थे।